२१ : अंगुलिमाल

प्रश्नावली

प्रश्न 1. पढ़ो और बोलो

ग़ुस्सा	शरण	धैर्यपूर्वक	टूट	जाना	एक बार
भगवान	बुद्ध	घृणा	शिष्य	मुसकराकर	जुड़
जाना	दुबारा	सतना	धैर्य	स्वागत	इसलिए
निर्दयी	डाकू	अंगुलियों की मला	बिना डरे	समझ जाना	

प्रश्न 2. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

1. पहले राघवन फुटबाल खेलता था |
2. पहले सुषमा गाना सीखती थी |
3. पहले वे चाय पीते थे |
4. पहले हम गाँव के विद्यालय मे पढ़ते थे |

प्रश्न 3. कोष्ठक में दी गई क्रियोओं से नमूने के अनुसार वाक्य पूरा करो

(हो गया/हो गई, बैठ गया/बैठ गए, रह गया/रह गए/रह गई)

1. मेरा काम पूरा
2. तुम देर से आये, चाय ख़तम
3. नौकर रास्ते मे ही

4. सभी विद्यार्थी अपनी- अपनी सीट पर
5. अंजना खुश

प्रश्न 4. नमूने के अनुसार वाक्य बदले|

(क) नमूना

1. रमेश पतंग उडाता है |
2. मैं हिंदी सीखता हु |
3. हम मिठाई खाते है |

(ख) नमूना

1. मैं चित्र बनता हूँ |

2. वह कपडे धोता है।

3. सलमा चित्र बनती है |

(ग) नमूना

1. श्रीनिवास रोज़ सात बजे स्कूल जाता है|

2. अख़बार रोज़ सुबह ग्यारह बजे आ जाता है|

3. सुनीता रोज़ सुबह नहाती है|

प्रश्न 5. प्रशनों के उत्तर दो

1. अंगुलिमाल कौन था?

2. डाकू को अंगुलिमाल क्यों कहते थे?
3. अंगुलिमाल को गुस्सा क्यों आया?

4. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल का स्वागत कैसे किया?

5. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल से क्या तोड़ कर लाने को कहा?

उत्तर

उत्तर 1: छात्र स्वयं प्रयास करें।

उत्तर 2: 1. अब वह क्रिकेट खेलता है |

2. अब वह नृत्य सीखती है|

3. अब वे दूध पीते है |

4. अब हम जवाहर नवोदय विद्यालय मे पढ़ते है|

उत्तर 3:

1. मेरा काम पूरा हो गया है |
2. तुम देर से आये, चाय ख़तम हो गयी है|
3. नौकर रास्ते मे ही रह गए|
4. सभी विद्यार्थी अपनी- अपनी सीट पर बैठ गए है|
5. अंजना खुश हो गयी|

उत्तर 4:

(क)

1. रमेश ने पतंग उड़ाई|
2. मेने हिंदी सीखी|
3. हमने मिठाई खाई|

(ख)

1. मैंने चित्र बनाया|

2. उसने कपडे धोये|

3. सलमा ने चित्र बनाया|

(ग)

1. आज वह 10 बजे सो गया|

2. आज अख़बार बारह बजे आया|

3. आज सुनीता शाम को नहायेगी|

उत्तर 5. 1. अंगुलिमाल एक डाकू था|

2. क्डाकू को अंगुलिमाल लोगों को लूट कर उनकी ऊँगलीयों की माला बना कर अपने गले मे पहनता था इसलिए|

3. महात्मा बुद्ध के जंगल में आने की खबर सुनकर अंगुलिमाल को बहुत गुस्सा आया|

4. भगवान बुद्ध ने धैर्यपूर्वक मुस्कुराकर अंगुलिमाल का स्वागत किया|

5. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल को पेड़ से चार पत्तियाँ तोड़ कर लाने के लिए बोला|